22/4/2021	वकील वादी द्वारा शीघ्र सुनवाई का प्रा.पत्र पेश किया। जो स्वीकार किया जाकर पत्रावली नियत तिथि से तलब की गई। वादी के अधिवक्ता द्वारा वाद में आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहते हैं इसी स्तर पर वाद वापस लिया जो स्वीकार किया जाता है। पत्रावली फैसला शुमार होकर नम्बर से कम हो।	Note Press 22/4/2021

Signature Not Verified
Digitally signed by Anju Sharma
Date: 2022.01.03 13:41:35 IST
Reason: SelfAttested

Scanned by TapScanner